अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवम् 16 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में 51 प्रश्न तथा 16 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं.

गूढसंख्या 69/S/A
कोड नं.

स्तवकः / सेट – A

SANSKRIT VYAKARAN
संस्कृतव्याकरणम्
संस्कृत व्याकरण
(246)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)
1. ____________________
2. ____________________

सामान्या निर्देशाः –

1 अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।

2 निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

3 वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (A), (B), (C), (D) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।

4 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

5 उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

6 स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 69/S/A, स्तवक-A नूनं लेख्या।

7 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य निर्देश :

1 प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (A), (B), (C), (D) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर–पत्र में लिखना है।

4 सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5 उत्तर–पत्र में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6 अपने उत्तर–पत्र में प्रश्न–पत्र का कोड नं. **69/S/A,** सेट-**A** अवश्य लिखें।

7 सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

SANSKRIT VYAKARAN

संस्कृतव्याकरणम्

संस्कृत व्याकरण

(246)

परीक्षासमयावधिः – होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः – 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क – 100

निर्देशाः (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 20, [B] भागे 15, [C] भागे 6, [D] भागे 6, [E] भागे 4 इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

(ii) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।

(iii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

(iv) [A] भागे प्र.सं. 1 तः 20 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

(v) [B] भागे प्र.सं. 21 तः 35 पर्यन्तम् वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्–असत्यम्, इत्यादिः। प्रत्येकं प्रश्नः अंकद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

(vi) [C] भागे प्र.सं. 36 तः 41 पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अंकद्वयात्मकाः सन्ति।

(vii) [D] भागे प्र.सं. 42 तः 47 पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अंकत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं 50 तः 80 शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(viii) [E] भागे प्र.सं. 48 तः 51 पर्यन्तम् दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं 80 तः 100 शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

(xiii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

निर्देश : (i) इस प्रश्न–पत्र में भाग [A] में 20, भाग [B] में 15, भाग [C] में 6, भाग [D] में 6, भाग [E] में 4, प्रश्नों सहित कुल 51 प्रश्न हैं।

(ii) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

(iii) प्रश्न की दाहिनी ओर की संख्या (अंक × प्रश्न = पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(iv) भाग [A] में प्र.सं. 1 से 20 तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) प्रत्येक एक अंक का होगा। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।

(v) भाग [B] में प्र.सं. 21 से 35 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्तस्थान, सत्य–असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का हैं। उनके निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(vi) भाग [C] में प्र.सं. 36 से 41 तक प्रत्येक दो–दो अंक के अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं।

(vii) भाग [D] में प्र.सं. 42 से 47 तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके 50 से 80 शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(viii) भाग [E] में प्र.सं. 48 से 51 तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके 80 से 100 शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(ix) सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखिए।

(xi) उत्तर–पुस्तिका पर स्व–पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) जाँचें कि क्या प्रश्न–पत्र की पत्रसंख्या और प्रश्नों की संख्या पहले पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(xiv) प्रश्न–पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखिए।

1 Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि दत्तोत्तरपुस्तके एव लिखन्तु।
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।

2 15 minutes time has been allotted to read this Question Paper. The Question Paper will be distributed at 2.15 p.m. From 2.15 p.m. to 2.30 p.m., the students will read the Question Paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
प्रश्नपत्रिकां पठितुं 15 निमेशाः दत्ताः। प्रश्नपत्रिका 02.15 मध्यह्ने समये दीयते। 02.15 समयतः 02.30 समयपर्यन्तं प्रश्नपत्रिकामेव छात्राः पठेयुः, एतस्मिन् समये उत्तरपत्रिकायां न किमपि उत्तरं लिखेयुः।
इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[A] प्रश्नसङ्ख्या **1-20** बहुविकल्पप्रश्नाः सन्ति येषां कृते **20** अङ्काः आवंटिताः सन्ति। **1×20=20**

प्रश्न संख्या **1-20** तक बहुविकल्पात्मक हैं, जिनके लिए **20** अङ्क निर्धारित है।

1 चवर्गस्य उच्चारणस्थानं किम् ?

(A) कण्ठः (B) दन्ताः

(C) तालु (D) मूर्धा

चवर्ग का उच्चारणस्थान क्या है ?

(A) कण्ठ (B) दन्त

(C) तालु (D) मूर्धा

2 आ, ऐ, औ – इत्येतेषां वर्णानां का संज्ञा भवति ?

(A) वृद्धिः (B) गुणः

(C) गुरु (D) संहिता

आ, ऐ, औ – इन वर्णों की क्या संज्ञा होती है ?

(A) वृद्धि (B) गुण

(C) गुरु (D) संहिता

3 अनेकाल् शित् च य आदेशः, स कस्य स्थाने भवति ?

(A) आदेरलः स्थाने (B) अन्त्यस्यालः स्थाने

(C) परस्यादेरलः स्थाने (D) सर्वस्य षष्ठीनिर्दिष्टस्य स्थाने

अनेकाल् और शित् आदेश किसके स्थान पर होता है ?

(A) आदि अल् के स्थान पर (B) अन्त्य अल् के स्थान पर

(C) पर के आदि अल् के स्थान पर (D) सम्पूर्ण षष्ठीनिर्दिष्ट के स्थान पर

4 'मनीषा' – अत्र किं सन्धिकार्यम् ?

(A) पूर्वरूपम् (B) सवर्णदीर्घः

(C) पररूपम् (D) गुणैकादेशः

'मनीषा' – यहां कौनसा सन्धिकार्य हुआ है ?

(A) पूर्वरूप (B) सवर्णदीर्घ

(C) पररूप (D) गुण एकादेश

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

5 ‘प्रश्नः’ – अत्र तवर्गस्य स्थाने चवर्गादेशनिषेधः केन सूत्रेण भवति?

(A) तोः षि (B) शात्

(C) खरि च (D) स्तोः श्चुना श्चुः

‘प्रश्नः’ – इस उदाहरण में तवर्ग के स्थान पर चवर्गादेश का निषेध किस सूत्र से होता है?

(A) तोः षि (B) शात्

(C) खरि च (D) स्तोः श्चुना श्चुः

6 ‘हे रमे’ – अत्र एकारादेशः केन सूत्रेण भवति?

(A) सम्बुद्धौ च (B) एकवचनं सम्बुद्धिः

(C) आङि चापः (D) बहुवचने झल्येत्

‘हे रमे’ – यहां एकारादेश किस सूत्र से होता है?

(A) सम्बुद्धौ च (B) एकवचनं सम्बुद्धिः

(C) आङि चापः (D) बहुवचने झल्येत्

7 ‘नपुंसकस्य झलचः’ – इत्यनेन सूत्रेण किम् विधीयते?

(A) शि आदेशः (B) अडागमः

(C) शी आदेशः (D) नुमागमः

‘नपुंसकस्य झलचः’ – यह सूत्र क्या कार्य करता है?

(A) शि आदेश (B) अट् आगम

(C) शी आदेश (D) नुम् आगम

8 ‘विश्व ऊ आह् अस्’ – इत्यवस्थायां ‘सम्प्रसारणाच्च’ इति सूत्रेण किम् विधीयते?

(A) प्रकृतिभावः (B) पूर्वरूप–एकादेशः

(C) नुमागमः (D) पररूप–एकादेशः

‘विश्व ऊ आह् अस्’ – इस अवस्थाया में ‘सम्प्रसारणाच्च’ यह सूत्र क्या कार्य करता है?

(A) प्रकृतिभाव (B) पूर्वरूप–एकादेश

(C) नुमागम (D) पररूप–एकादेश

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

9 स्त्रीलिङ्गे प्रथमैकवचने इदम्–शब्दस्य किं रूपम् ?

(A) अयम् (B) इमम्

(C) इयम् (D) इदम्

स्त्रीलिंग प्रथमा एकवचन में इदम् शब्द का क्या रूप बनता है ?

(A) अयम् (B) इमम्

(C) इयम् (D) इदम्

10 'तुभ्यम्' इत्यत्र कः प्रत्ययः ?

(A) ङे (B) भ्यम्

(C) ङस् (D) सु

'तुभ्यम्' यहां कौनसा प्रत्यय हुआ है ?

(A) ङे (B) भ्यम्

(C) ङस् (D) सु

11 'विद्वस्' – शब्दस्य सप्तम्यैकवचने किं रूपम् ?

(A) विदुषे (B) विदुषः

(C) विदुषी (D) विदुषि

'विद्वस्' – शब्द का सप्तमी एकवचन में क्या रूप बनता है ?

(A) विदुषे (B) विदुषः

(C) विदुषी (D) विदुषि

12 ' हे गौरी+सु' – इत्यवस्थायां ह्रस्वत्वं केन सूत्रेण विधीयते ?

(A) ह्रस्वं च (B) अम्बार्थनद्योर्ह्रस्वः

(C) ह्रस्वो नपुंसके प्रातिपदिकस्य (D) ह्रस्वस्य गुणः

'हे गौरी+सु' इस अवस्था में ह्रस्वत्व किस सूत्र से होता है ?

(A) ह्रस्वं च (B) अम्बार्थनद्योर्ह्रस्वः

(C) ह्रस्वो नपुंसके प्रातिपदिकस्य (D) ह्रस्वस्य गुणः

Unnati Educations

9899436384, 9654279279

13 अधस्तनेषु प्रत्ययस्य अदर्शनस्य का सञ्ज्ञा न भवति ?

(A) लुप् (B) श्लु

(C) अभ्यस्तम् (D) लुक्

निम्नलिखित में से प्रत्यय के अदर्शन की कौनसी सञ्ज्ञा नहीं होती है ?

(A) लुप् (B) श्लु

(C) अभ्यस्त (D) लुक्

14 यणः स्थाने प्रयुज्यमानस्य इकः का सञ्ज्ञा भवति ?

(A) संहिता (B) सम्प्रसारणम्

(C) अभ्यस्तम् (D) सवर्णम्

यण् के स्थान पर प्रयुज्यमान इक् की क्या संज्ञा होती है ?

(A) संहिता (B) सम्प्रसारण

(C) अभ्यस्त (D) सवर्ण

15 'विष्णुः **पुष्पेभ्यः** स्पृहयति' – अस्मिन् वाक्ये रेखाङ्कितपदस्य सम्प्रदानसञ्ज्ञा केन सूत्रेण भवति ?

(A) स्पृहेरीप्सितः (B) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्

(C) क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः (D) चतुर्थी सम्प्रदाने

'विष्णुः **पुष्पेभ्यः** स्पृहयति' – इस वाक्य में रेखाङ्कितपद की सम्प्रदानसञ्ज्ञा किस सूत्र से होती है ?

(A) स्पृहेरीप्सितः (B) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्

(C) क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः (D) चतुर्थी सम्प्रदाने

16 भयार्थानां त्राणार्थानां च धातूनां प्रयोगे भयहेतुः किं स्यात् ?

(A) सम्प्रदानम् (B) करणम्

(C) अपादानम् (D) अधिकरणम्

भय अर्थ वाली और त्राण अर्थ वाली धातुओं का प्रयोग होने पर भयहेतु की क्या संज्ञा होती है ?

(A) सम्प्रदान (B) करण

(C) अपादान (D) अधिकरण

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

17 'तौ सत्' तौ कौ ?

(A) क्तक्तवतू (B) टित्कितौ

(C) ण्वुल्तृचौ (D) शतृशानचौ

'तौ सत्' यहां 'तौ' पद से किसका ग्रहण होता हैं ?

(A) क्त और क्तवतु (B) टित् और कित्

(C) ण्वुल् और तृच् (D) शतृ और शानच्

18 'चिकीर्षुः' अत्र कः प्रत्ययः ?

(A) उ (B) उन्

(C) उञ् (D) उक्

'चिकीर्षुः' इस शब्द में कौनसा प्रत्यय है ?

(A) उ (B) उन्

(C) उञ् (D) उक्

19 क्रियार्थायां क्रियायामुपपदे धातोर्भविष्यति कौ प्रत्ययौ स्तः ?

(A) क्तक्तवतू (B) तुमुन्ण्वुलौ

(C) ण्वुल्तृचौ (D) शतृशानचौ

क्रियार्था क्रिया उपपद रहते धातु से भविष्यत्काल में कौनसे प्रत्यय होते हैं ?

(A) क्त और क्तवतु (B) तुमुन् और ण्वुल्

(C) ण्वुल् और तृच् (D) शतृ और शानच्

20 'पाकः' इत्यत्र घञ् कस्मिन्नर्थे ?

(A) भावे (B) कर्तरि

(C) कर्मणि (D) करणे

'पाकः' यहां घञ् किस अर्थ में है ?

(A) भाव (B) कर्ता

(C) कर्म (D) करण

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[B] प्रश्नसङ्ख्या **21-35** वस्तुनिष्ठप्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नः द्वयोः अङ्कयोः भवति, तदर्थं **30** अङ्काः आवंटिताः भवन्ति। **2×15=30**

प्रश्न संख्या **21-35** तक वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है, जिसके लिए **30** अङ्क निर्धारित है।

21 अधोलिखितयोः रिक्तस्थानयोः पूर्त्तिः करणीया। **2**

(क) वकारस्य उच्चारणस्थान् .... अस्ति।

(ख) कादयो मावसानाः ....।

रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) वकार का उच्चारणस्थान .... है।

(ख) 'क' से आरम्भ करके मपर्यन्त वर्ण .... होते हैं।

22 उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। **2**

(क) प्रादयः क्रियायोगे उपसर्गसञ्ज्ञकाः भवन्ति। (सत्यम् / असत्यम्)

(ख) हल्भिरव्यवहिताः अचः संयोगसञ्ज्ञाः स्युः। (सत्यम् / असत्यम्)

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) क्रिया के योग में प्रादि की उपसर्गसंज्ञा होती है। (सत्य / असत्य)

(ख) हल् के व्यवधान से रहित अचों की संयोग संज्ञा होती है। (सत्य / असत्य)

23 यथायोग्यं मेलयत। **2**

(क) यथासंख्यमनुदेशः	(1) पूर्वं कार्यम्
(ख) विप्रतिषेधे	(2) समानाम्
	(3) परं कार्यम्

यथायोग्य मिलान कीजिए।

(क) यथासंख्यमनुदेशः	(1) पूर्वं कार्यम्
(ख) विप्रतिषेधे	(2) समानाम्
	(3) परं कार्यम्

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

24 रिक्तस्थानयोः पूर्तिः करणीया। 2

(क) अन्तःस्थानाम् आभ्यन्तरप्रयत्नम् .... अस्ति।

(ख) ऋलृवर्णयोः मिथः .... वाच्यम्।

रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) अन्तःस्थ वर्णों का आभ्यन्तरप्रयत्न .... है।

(ख) ऋ और ऌ वर्णों का परस्पर .... कहना चाहिए।

25 रिक्तस्थानयोः पूर्तिः करणीया। 2

(क) एकाल्प्रत्ययस्य .... सञ्ज्ञा भवति।

(ख) अद्रव्यार्थाश्चादयः .... सञ्ज्ञाः स्युः।

रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) एक अल् वाले प्रत्यय की .... सञ्ज्ञा होती है।

(ख) चादिगण में पठित अद्रव्यवाचक शब्दों की .... सञ्ज्ञा होती है।

26 उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। 2

(क) 'कृष्णर्द्धिः' इत्यत्र 'वृद्धिरेचि' इत्यनेन पूर्वपरयोः वृद्धिरेकादेशो भवति। (सत्यम् / असत्यम्)

(ख) 'दैत्यारिः' इत्यत्र 'अकः सवर्णे दीर्घः' इत्यनेन पूर्वपरयोः दीर्घ एकादेशो भवति। (सत्यम् / असत्यम्)

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) 'कृष्णर्द्धिः' इस उदाहरण में 'वृद्धिरेचि' सूत्र से पूर्व–पर के स्थान पर वृद्धि एकादेश होता है। (सत्य / असत्य)

(ख) 'दैत्यारिः' इस उदाहरण में 'अकः सवर्णे दीर्घः' सूत्र से पूर्व–पर के स्थान पर दीर्घ एकादेश होता है। (सत्य / असत्य)

27 यथायोग्यं मेलयत। 2

(क)	खरवसानयोर्विसर्जनीयः	(1)	चर्त्वम्
(ख)	खरि च	(2)	विसर्गः
		(3)	रुत्वम्

यथायोग्य मिलान कीजिए।

(क)	खरवसानयोर्विसर्जनीयः	(1)	चर्त्व
(ख)	खरि च	(2)	विसर्ग
		(3)	रुत्व

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

28 यथायोग्यं मेलयत। **2**

(क) शिवो वन्द्यः (1) यलोपः

(ख) भो देवाः (2) सुलोपः

(3) उत्वम्

यथायोग्य मिलान कीजिए।

(क) शिवो वन्द्यः (1) यलोप

(ख) भो देवाः (2) सुलोप

(3) उत्व

29 रिक्तस्थानयोः पूर्तिः करणीया। **2**

(क) 'मति+ङे' इत्यत्र .... सूत्रेण नदीसञ्ज्ञा भवति।

(ख) मतिशब्दस्य सप्तम्येकवचने नदीसञ्ज्ञायां .... रूपम्।

रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) 'मति+ङे' यहां .... सूत्र से नदीसञ्ज्ञा होती है।

(ख) मतिशब्द का सप्तमी एकवचन में नदी संज्ञा होने पर .... रूप बनता है।

30 रिक्तस्थानयोः पूर्तिः करणीया। **2**

(क) 'वारि+सु' इत्यत्र .... सूत्रेण सुलुक् भवति।

(ख) दधिशब्दस्य षष्ठीबहुवचने .... रूपम्।

रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) 'वारि+सु' यहां .... सूत्र से सुलुक् होता है।

(ख) दधिशब्द का षष्ठी बहुवचन में .... रूप बनता है।

31 उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। **2**

(क) अनुक्ते कर्तरि प्रथमा भवति। (सत्यम् / असत्यम्)

(ख) 'रुच्यर्थानां प्रीयमाणः' अनेन सूत्रेण चतुर्थी विभक्ति भवति। (सत्यम् / असत्यम्)

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) उक्त कर्ता में प्रथमा होती है। (सत्य / असत्य)

(ख) 'रुच्यर्थानां प्रीयमाणः' इस सूत्र से चतुर्थी विभक्ति होती है। (सत्य / असत्य)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

32 उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। 2

(क) 'सर्पः नकुलात् बिभेति' अत्र भयहेतुः सर्पः। (सत्यम् / असत्यम्)

(ख) 'आख्यातोपयोगे' अनेन सूत्रेण अपादानसंज्ञा विधीयते। (सत्यम् / असत्यम्)

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) 'सर्पः नकुलात् बिभेति' यहां भय का हेतु सर्प है। (सत्य / असत्य)

(ख) 'आख्यातोपयोगे' इस सूत्र से अपादानसंज्ञा होती है। (सत्य / असत्य)

33 रिक्तस्थानयोः पूर्तिः करणीया। 2

(क) 'अन्तरान्तरेणयुक्ते' इति सूत्रेण .... विभक्तिः विधीयते।

(ख) सहार्थेन युक्ते अप्रधाने .... विभक्तिः।

रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) 'अन्तरान्तरेणयुक्ते' सूत्र से .... विभक्ति होती है।

(ख) सहार्थ शब्द के प्रयोग में अप्रधान में .... विभक्ति होती है।

34 रिक्तस्थानयोः पूर्तिः करणीया। 2

(क) कारकप्रातिपदिकार्थव्यतिरिक्तः स्वस्वामिभावादिसम्बन्धः ....।

(ख) हेतुशब्दप्रयोगे हेतौ द्योत्ये .... विभक्तिः।

रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) कारकप्रातिपदिकार्थ के अतिरिक्त स्वस्वामिभावादिसम्बन्ध................ कहलाता है।

(ख) हेतुशब्द का प्रयोग होने पर हेतु द्योतित होने पर .... विभक्ति होती है।

35 यथायोग्यं मेलयत। 2

(क) जगन्वान्	(1) कानच्
(ख) चक्राणः	(2) शानच्
	(3) क्वसु

यथायोग्य मिलान कीजिए।

(क) जगन्वान्	(1) कानच्
(ख) चक्राणः	(2) शानच्
	(3) क्वसु

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[C] षट्–प्रश्नानाम् यथानिर्देशं अतिलघूनि उत्तराणि लिखत। **2×6=12**
निर्देशानुसार छह प्रश्नों के अतिलघु उत्तर दीजिए।

36 दन्त्यवर्णाः के ?

अथवा

उदितः के ?

दन्त्यवर्ण कौन कौन से हैं ?

अथवा

उदित् कौन हैं ?

37 'अचोऽन्त्यादि टि' सूत्रस्यार्थः कः ?

अथवा

अङ्गसंज्ञा कस्य ?

'अचोऽन्त्यादि टि' सूत्र का अर्थ क्या है ?

अथवा

अङ्गसंज्ञा किसकी होती है ?

38 'रमायै' अत्र याडागमविधायकं सूत्रं किम् ? कश्च तस्य अर्थः ?
'रमायै' यहां याडागम विधायक सूत्र कौनसा है ? उसका अर्थ भी लिखिए।

39 'ज्ञानानि' अत्र उपधायां दीर्घत्वं केन सूत्रेण भवति ?
'ज्ञानानि' यहां उपधा में दीर्घ किस सूत्र से होता है ?

40 'षट्चतुर्भ्यश्च' इति सूत्रस्य उदाहरणं विलिख्य सूत्रप्रयोजनं प्रदर्शयत।

अथवा

'सावनडुहः' अस्य सूत्रस्य कः अर्थः ?

'षट्चतुर्भ्यश्च' इस सूत्र का उदाहरण लिखकर सूत्र का प्रयोजन प्रदर्शित कीजिए।

अथवा

'सावनडुहः' इस सूत्र का अर्थ लिखिए।

41 'चैत्रः **यानेन** ग्रामं गच्छति' ससूत्रं विभक्तिं प्रदर्शयत।
'चैत्रः **यानेन** ग्रामं गच्छति' सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति प्रदर्शित कीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[D] षट्–प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। **3×6=18**

छह प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए।

42 ‘तपरस्तत्कालस्य’ इति सूत्रं व्याख्यात।

अथवा

सवर्णसंज्ञाविधायकं सूत्रं व्याख्यात।

‘तपरस्तत्कालस्य’ इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

अथवा

सवर्णसंज्ञाविधायक सूत्र की व्याख्या कीजिए।

43 ‘अदसो मात्’ इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

अथवा

‘एङः पदान्तादति’ इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

‘अदसो मात्’ इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

‘एङः पदान्तादति’ इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

44 अस्य ससूत्रं सिद्धिः कार्या – तच्छिवः।

‘तच्छिवः’ – सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए।

45 ‘रषाभ्यां नो णः समानपदे’ इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

अथवा

‘अनडुह्’ शब्दस्य सम्बोधनैकवचने किं रूपम्? ससूत्रं साधयत।

‘रषाभ्यां नो णः समानपदे’ इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

‘अनडुह्’ शब्द का सम्बोधन एकवचन का रूप लिखकर ससूत्र सिद्धि कीजिए।

46 ‘स्तोत्रम्’ अत्र प्रत्ययविधायकं किं सूत्रम्? अस्य पदस्य सिद्धिः कार्या।

‘स्तोत्रम्’ पद में प्रत्यय विधायक सूत्र लिखिए तथा इस पद की सिद्धि कीजिए।

47 ‘एरच्’ – इति सूत्रस्य उदाहरणानि प्रदर्श्य सिद्धिः कार्या।

‘एरच्’ सूत्र के उदाहरण लिखकर सिद्धि कीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[E] चत्वारः प्रश्नाः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। **5×4=20**

चार प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए।

48 'सनाद्यन्ताः धातवः' इत्यस्य अर्थ प्रदर्श्य सनाद्यन्तानां प्रत्यायानां परिगणनं कुरुत।

अथवा

'सुप्तिङन्तं पदम्' अस्य सूत्रस्य व्याख्या कार्या।

'सनाद्यन्ताः धातवः' इस सूत्र का अर्थ लिखकर सनाद्यन्त प्रत्यायों का परिगणन कीजिए।

अथवा

'सुप्तिङन्तं पदम्' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

49 'ङेप्रथमयोरम्' इति 'साम आकम्' इति **वा** सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

'ङेप्रथमयोरम्' **अथवा** 'साम आकम्' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

50 'आधारोऽधिकरणम्' इति सूत्रं विशदं व्याख्यात।

'आधारोऽधिकरणम्' सूत्र की विशद व्याख्या कीजिए।

51 'नमःस्वस्तिस्वाहास्वधालंवषड्योगाच्च' इति सूत्रम् उदाहरणोल्लेखपुरस्सरं व्याख्यात।

'नमःस्वस्तिस्वाहास्वधालंवषड्योगाच्च' इस सूत्र की उदाहरणोल्लेखपुरस्सर व्याख्या कीजिए।

Unnati Educations

9899436384, 9654279279